आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 26 (प्रति रविवार) इंदौर, 17 मार्च से 23 मार्च 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

लोकसभा चुनाव 2024:7 चरणों में होगा मतदान और 4 जून को आएगा रिजल्ट

चुनाव की तारीखों का हुआ ऐलान, मतदान का प्रथम चरण 19 अप्रैल को

नई दिल्ली। विज्ञान भवन में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आखिरकार लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा कर दी गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया है कि आमचुनाव 7 चरणों में संपन्न कराया जाएगा। प्रथम चरण का मतदान 19 अप्रैल को जबकि सातवां अंतिम चरण का मतदान 1 जून को संपन्न होगा। 4 जून को मतगणना कर रिजल्ट घोषित किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्तद्वय ज्ञानेश कुमार एवं सुखबीर सिंह संधू के साथ विज्ञान भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव के लिए हमारी टीम पूरी तरह से तैयार है। इसी के साथ चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित कर दी हैं। चुनाव आयोग द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 19 अप्रैल से 7 चरणों में मतदान होगा। इसके बाद 4 जून को मतगणना की जाएगी और इसी के साथ चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को, दूसरे चरण का

मतदान 26 अप्रैल को, तीसरे चरण का मतदान 7 मई को, चौथे चरण का मतदान 13 मई को, पांचवें चरण का मतदान 20 मई को, छठवें चरण का मतदान 25 को और अंतिम सातवें चरण का मतदान 1 जून को मतदान होगा।

इसके मुताबिक पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है, जिसमें 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान होगा। इसी प्रकार 26 अप्रैल को दूसरे चरण के अंतर्गत 89 सीटों पर मतदान होगा। जबकि 7 मई को तीसरे चरण में 12 राज्यों की 94 सीटों पर मतदान होगा। 13 मई को चौथे चरण में 96 सीटों पर मतदान होगा। 20 मई को पांचवें चरण में 49 सीटों पर मतदान होगा। 25 मई को छठवें चरण में 57 सीटों पर और 1 जून को सातवें और अंतिम चरण में 57 सीटों पर मतदान होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस अवसर पर कहा कि चुनाव में 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इसके लिए 10.5 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जबकि 55 लाख ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रेस वार्ता में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हिमालय से समुद्र तक और रेगिस्तान से बारिश वाले पूर्वोत्तर तक बनाए जा रहे बूथों पर एक समान सुविधाएं होंगी। उन्होंने बताया कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांग वोटर के घर फॉर्म भिजवाए जाएंगे, ताकि वो घर से ही मतदान कर सकें। यदि वो बूथ में आते हैं तो ऐसी स्थित में उनको आयोग के वोलेंटियर सहयोग करेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में सौ साल से ऊपर के 2.18 लाख मतदाता, जबकि 88.5 लाख मतदाता दिव्यांग हैं। इसी तरह से 85 साल से ऊपर के कुल 82 लाख मतदाता हैं जो अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इस बार कुल मतदाताओं में 49.7 करोड़ पुरुष मतदाता और 47.15 करोड़ महिला मतदाता हैं।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल का शेड्यूल

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 7 चरण में चुनाव कराए जाने का ऐलान किया गया है। 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा और 1 जून तक चलेगा। जहां तक राज्यवार चुनाव शेड्यूल की बात है तो 22 ऐसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं जहां महज 1 चरण में चुनाव होगा। 4 राज्य और यूटी में दो चरण में चुनाव संपन्न होंगे जबकि 2 राज्यों में तीन चरण और 3 राज्यों में सभी सात चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां पर 4 चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। मध्य प्रदेश के अलावा ओडिशा और झारखंड ऐसे राज्य हैं जहां 3 चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। राजस्थान में 2 चरणों में चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। राजस्थान की ही तरह कर्नाटक, त्रिपुरा और मणिपुर राज्यों में भी दो चरणों में चुनाव होंगे। दिल्ली में एक चरण में चुनाव संपन्न हो जाएगा। दिल्ली में छठवें चरण यानी 25 मई को मतदान होगा।

चुनाव के लिए भाजपा-एनडीए पूरी तरह से हैं तैयार : मोदी

जेपी नड्डा द्वारा रिकॉर्ड वोटिंग करने की अपील

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा कर दी है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार आया है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मतदाताओं से रिकॉर्ड वोटिंग करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक बयान में कहा है कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार आ गया है। चुनाव आयोग ने 2024 लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित कर दी हैं। हम, भाजपा-एनडीए चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सभी क्षेत्रों में हम सुशासन के अपने ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर ही लोगों के पास जा रहे हैं। दस साल पहले, हमारे सत्ता संभालने से पहले तक भारत के लोग इंडी गठबंधन के दयनीय शासन के कारण ठगा हुआ और निराश महसूस कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि तब कोई भी क्षेत्र घोटाले और नीतिगत पंगुता से अछूता नहीं रहा। इससे आगे उन्होंने कहा कि विश्व ने भारत का साथ छोड़ दिया था। वहां से, यह शानदार बदलाव रहा है।

चुनाव की घोषणा के साथ ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश से अपील करते हुए कहा कि रिकॉर्ड वोटिंग कर लोकतंत्र की नींव मजबूत करें। इसी के साथ उन्होंने कहा कि मैं चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव-2024 की घोषणा का स्वागत करता हूं। लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव चुनाव है। उन्होंने कहा कि यह देश और प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का बेहतरीन माध्यम भी है। इसी के साथ उन्होंने अपील करते हुए कहा, कि मैं समग्र राष्ट्र की जनता से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव को और मजबूती प्रदान करने का आह्वान करता हूं। उन्होंने दावा किया कि एक बार फिर पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से कार्य करेगी।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

संपादकीय

अमेरिका में अडानी समूह के खिलाफ जांच शुरू

अमेरिका में गौतम अडानी और अडानी समूह के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। अमेरिका के अटॉर्नी ऑफिस और वाशिंगटन न्याय विभाग के अधिकारियों ने इस मामले में टिप्पणी करने से मना कर दिया है। अमेरिका का कानून, अपने अधिकारियों को विदेश में हुए भ्रष्टाचार के मामलों में क्रास एग्जामिनेशन और दस्तावेजों की जांच करने की अनुमति देता है। अमेरिकी कानून के अनुसार इस तरह की किसी भी जांच के लिए एक शर्त होती है। अमेरिका के निवेशक का पैसा यदि उसमें लगा हुआ है, तो इस तरह के मामले में जांच की जा सकती है। 24 जनवरी 2023 को हिडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडानी समूह पर मनी लांड्रिंग के जरिए शेयर मैनिपुलेशन करने के आरोप लगाए गए थे। केस की जांच अमेरिका में अब शुरू हुई है। भारत में भी सुप्रीम कोर्ट ने 16 सदस्यों की कमेटी बनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को जांच करने के लिए कहा था। सेबी ने एक हिसाब से अडानी समूह को क्लीन चिट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला लगभग ठंडे बस्ते में चला गया है। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, रिन्यूबल एनर्जी कंपनी, एज्योर पावर ग्लोबल की जांच की जा रही है। न्यूयॉर्क के पूर्वी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ऑफिस और वाशिंगटन के न्याय विभाग द्वारा धोखाधड़ी की जांच की जा रही है। भारत में हाल ही में इलेक्टोरल बांड का मामला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तूल पकड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इलेक्टोरल बांड के संबंध में समस्त जानकारी स्टेट बैंक आफ इंडिया को चुनाव आयोग को देनी पड़ी है। चुनाव आयोग ने स्टेट बैंक से मिली जानकारी को पोर्टल में अपलोड कर दिया है। उसके बाद से ही भारत में कॉर्पोरेट भ्रष्टाचार, ईडी और सीबीआई की संलिप्तता को लेकर तूफान मचा हुआ है। इलेक्टोरल बांड भारत का अभी तक का हुआ सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का घोटाला बताया जा रहा है। विपक्षी दलों द्वारा इस मामले में अडानी समूह के साथ-साथ सरकार को भी निशाने पर लिया गया है। भारत सरकार की अडानी समूह पर मेहरबानी रही है। इलेक्टोरल बांड के साथ-साथ अब पीएम केयर फंड के घपले-घोटाले में शामिल किया जा रहा है। जिस तरह से इलेक्टोरल बांड की जानकारी को गुप्त रखा गया था, उसी तरह पीएम केयर फंड की जानकारी को भी गुप्त रखा गया है। सूचना अधिकार कानून के तहत इसकी कोई जानकारी अभी तक उजागर नहीं की गई है। पीएम केयर फंड का कोई भी ऑडिट केग तथा सीए द्वारा अभी तक नहीं किया गया है। भारत में इलेक्टोरल बांड के खुलासे के बाद अब पीएम केयर फंड को भी विपक्ष ने निशाने पर ले लिया है। अमेरिका में गौतम अडानी के आचरण तथा अडानी समूह की कंपनी द्वारा भारतीय अधिकारियों को एनर्जी प्रोजेक्ट में अपने मन मुताबिक काम करने के लिए रिश्वत देने का आरोप है। अमेरिकी न्यायालय तथा कानून विभाग की जांच में अडानी समूह को सारी जानकारी अनिवार्य रूप से देना पड़ेगा। अमेरिकी न्यायालयों और जांच एजेंसी का काम करने का तरीका भारत से अलग है। भारत में अडानी समूह के बचाव में सरकार खड़ी हो गई थी। अमेरिका में यह संभव नही हो पाएगा। भारत में रिलायंस समूह और अडानी समूह के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा भी अमेरिकी जांच को नया मोड़ दे सकती है। अडानी समूह का अंतरराष्ट्रीय व्यापार है। उसके अंतरराष्ट्रीय निवेशक हैं। हिन्डबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडानी समूह के ऊपर मनी लांड्रिंग और शेयर मैनिपुलेशन के आरोप हैं। उनकी जांच शुरू हो जाने से भविष्य में अडानी समूह की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। अडानी समूह द्वारा अमेरिका में इस तरह की जांच से इनकार किया है, लेकिन जो रिपोर्ट आई है, उसके अनुसार अमेरिका में जांच शुरू हो गई है। भारत के आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, अमेरिका में अडानी समूह का बच पाना बहुत मुश्किल है। अमेरिका में भी राष्ट्रपति पद के चुनाव इसी वर्ष होना है। अमेरिका का मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया इस तरह की खबरों को उजागर करने में जी-जान लगा देता है। ऐसा लगता है कि अब अडानी समूह की मुसीबतें बढ़ती चली जा रही हैं।

सीएए नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है

ललित गर्ग

संसद में 11 दिसंबर, 2019 को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम अर्थात सीएए पारित होने के लगभग चार वर्ष के इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने इसे लोकसभा चुनाव से पूर्व देश भर में लागू करके न केवल अपने राजनीतिक आलोचकों को अचंभित किया है, बल्कि देश अपने लोगों की न्यायपूर्ण नागरिकता सुनिश्चित करने की जरूरी दिशा में बढ़ चला है। यह कानून भारत की नागरिकता को संतुलित, औचित्यपूर्ण एवं समतामूलक बनाने की दिशा में साहसिक कदम है। इस नए कानून का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से आने वाले मुस्लिमों को अब भारत में सहजता से नागरिकता नहीं मिलेगी, जबकि इन देशों से आने वाले हिंदू, सिख, ईसाई व अन्य धर्म के लोगों को सहजता से नागरिकता हासिल हो जाएगी। कानून के तहत पात्र लोग नागरिकता के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। गौर करने की बात है कि पिछले दिनों से विपक्षी दलों के अनेक नेता सीएए को लागू करने का विरोध करते हुए एक वर्ग-विशेष के लोगों को अपने पक्ष में करने की कुचेष्टा कर रहे हैं। जबकि भाजपा सरकार एवं उससे जुड़े शीर्ष नेतृत्व इसे लागू होने के संकेत दे रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि आम चुनाव से पहले ही सीएए को लागू कर दिया जाएगा और जो कहा, उसे कर दिखाया है। चुनाव की घोषणा के ठीक पहले सीएए को लागू कर सरकार ने अपना एक वादा पूरा कर दिया है। अब इसे लागू करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से एक सार्थक पहल का सूत्रपात किया है।

सीएए पारित हो गया था और इस कानून को अधिसूचित भी कर दिया गया था, पर इसके लिए लोकसभा चुनाव की घोषणा के ठीक पहले देश में नागरिकता नियम तय नहीं हुए थे। कानून बन जाने के बाद नियम तय करना जरूरी होता है और नियम तय करने के लिए सरकार लगातार समय ले रही थी। इस वजह से सरकार की आलोचना भी हो रही थी। बहरहाल, नियम न तय होने से आगे नई लोकसभा में तकनीकी परेशानियां आ सकती थीं, अतः केंद्र सरकार ने चुनाव से ठीक पहले इस कार्य को अंजाम देकर एक तरह से अपना ही अधूरा काम पूरा किया है, एक साहसिक एवं समयोचित कदम उठाया है। यह पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं बंगलादेश से आये हिंदू, सिख, ईसाई व अन्य धर्म के लोगों के लिये एक नये सूरज का उदय है। आगामी चुनाव एक तरह से सीएए पर जनमत संग्रह जैसा होगा। यहां यह याद करने की बात है कि सीएए लागू करने का वादा पिछले लोकसभा चुनाव और पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से उठाया गया प्रमुख मुद्दा था और इससे भाजपा को चुनाव में बहुत फायदा भी हुआ था। सीएए के सन्दर्भ में राजनीति से अलग होकर सोचना ज्यादा जरूरी है। जो मजबूर लोग पाकिस्तान, अफगानिस्तान या बांग्लादेश से भारत में आए हुए हैं, उनकी समस्याओं का समाधान देश के लिए प्राथमिकता होनी ही चाहिए। भूलना नहीं चाहिए, नागरिकता का तार्किक व मानवीय दृष्टिकोण इस देश की 'वसुधैव कुटुंबकम' की संस्कृति का अंग है।

सीएए के कारण भले ही तथाकथित अराष्ट्रवादी ताकतें एवं विपक्षी दल हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना सकते हैं, लेकिन यह कानून एक आदर्श नागरिकता कानून है, लम्बे समय से इस कानून की जरूरत को महसूस करते हुए अनेक नागरिक घुटन एवं असंतुलित नागरिकता कानून के दंश को भोग रहे थे। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है तो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से नागरिकों को बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सीएए। इसको लेकर भी गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। सीएए को लेकर मुस्लिम समाज को भ्रमित करने की साजिश हुई है और चुनावी माहौल में यह और तीव्रता से होने की संभावना है। राजनीतिक लोग सीएए को मुस्लिम विरोधी बताने में लगे हुए हैं। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं, उसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों को सड़कों पर उतार दिया गया या फिर से उतारने के स्वर गूंजने लगे हैं। एक सुनियोजित साजिश के तहत लोगों को गुमराह किया गया है, यह साजिश जिस किसी ने भी रची हो, लोगों और खासकर मुस्लिम समाज को भड़काने का काम अनेक विपक्षी दलों ने किया। इनमें कांग्रेस सरीखे वे दल भी थे, जो एक समय इस कानून में वैसे ही संशोधन करने की मांग कर रहे थे, जैसे किए गए। राजनीतिक दलों के साथ-साथ तथाकथित सेक्युलर तत्वों और वामपंथी बुद्धिजीवियों ने भी यह भ्रम फैलाया कि सीएए कुछ लोगों की नागरिकता छीनने का काम कर सकता है, जबकि यह कानून तो नागरिकता देने के लिए है।

सीएए का विरोध करने वाले राजनेताओं एवं उनके उकसाये लोगों को देश से जैसे कोई मतलब नहीं, इन्हें सिर्फ अपना जनाधार चाहिए। वोट चाहिए। वोटों की संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीति के चलते राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को तार-तार किया जा रहा है? इन कानूनों में किसी के अहित की बात नहीं है, बल्कि जिनका अहित हुआ है, उनका हित निहित है, फिर क्यों बवाल है? पहले किसी भी गलत बात के लिए ÷विदेशी हाथ÷ का बहाना बना दिया जाता था। अब कौन-सा हाथ है? कौन चक्र चलाता है? कौन विरोधी स्वर घोलता है? आश्चर्य की बात यह कि जब पिछले दिनों सीएए-एनआरसी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो एक सुर में कहा गया कि यह कांग्रेस ही है जो लोगों को भड़का रही है। यानी यह तो तय है कि कांग्रेस की उपस्थिति देश भर में है और उसका असर जनता के एक बड़े तबके पर है। इस बात को स्वीकारते हुए कांग्रेस की ताकत को इग्नोर करना राजनीति अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत कर रही है, धीरे-धीरे वह अपनी खोई प्रतिष्ठा एवं जनाधार को हासिल करने में लगी है। इन स्थितियों को पाने के लिये वह सभी हदें पार कर रही है, मूल्यों एवं नीतियों को भी नजरअंदाज करने में भी उसे कोई संकोच एवं परहेज नहीं है।

भारत का विभाजन मुस्लिमों की अलग राष्ट्र की मांग की वजह से हुआ था, अतः जिन मुस्लिमों ने भारत छोड़कर अलग देश में रहना चुना, उन्होंने भारत की नागरिकता मांगने का हक खो दिया। दूसरी ओर, सीएए का विरोध करने वालों का कहना है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुस्लिमों के साथ भारतीय नागरिकता देने में भेदभाव नहीं होना चाहिए। एक तर्क यह भी है कि धर्मनिरपेक्ष भारत में नागरिकता का फैसला किसी की आस्था के आधार पर नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अपने देश में धर्म की राजनीति नई नहीं है, इसके पक्ष और विपक्ष में लगभग हर पार्टी राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। इतनी देरी से इस कानून को लागू करने का एक कारण उसका बड़े पैमाने पर विरोध किया जाना दिखता है, देश में अराजकता, हिंसा एवं अशांति की संभावना को देखते हुए ही सरकार ने इसे उचित समय पर लागू करने का सोचा। यह उग्र एवं गैरवाजिब विरोध इस शरारत भरे दुष्प्रचार की देन था कि यदि यह कानून लागू हुआ तो देश के मुसलमानों की नागरिकता खतरे में पड़ जाएगी। इस दुष्प्रचार में कथित सिविल सोसायटी के लोग ही नहीं, कई राजनीतिक दल भी शामिल थे। वे जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को भड़काकर उसे सड़कों पर उत्तार रहे थे, जबकि इस कानून का किसी भी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं। वास्तव में यह नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है।

उच्च न्यायालय की खंडपीठ इंदौर में सामुदायिक सहायता केन्द्र के हितधारकों की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की खण्डपीठ इंदौर में सामुदायिक सहायता केन्द्र के हितधारकों की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। यह कार्यशाला उच्च न्यायालय की खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी इन्दौर एवं मीडिएशन मॉनीटरिंग सब कमेटी के चेयरपर्सन न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में आयोजित की गई। कार्यक्रम के पहले दिन न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया द्वारा मार्मिक कहानी का उदाहरण देते हुए प्रतिभागियों को भगवान के दोस्त कहकर संबोधित करते हुए कहा गया कि आप मुख्यधारा से भटके हुए बच्चे, जिनके साथ अपराध हुआ है या जो अपराध में लिप्त हैं उनको उनके समाज एवं परिवार में वापस लाने का कार्य करें। न्यायाधिपति श्री सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी द्वारा सामुदायिक सहायता केन्द्र के हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि इन्दौर जिले में नव उद्घाटित सामुदायिक सहायता केंद्र इस बात का परिचायक है कि यदि हम सब दृढ़ निश्चय से बालकों का हाथ थामेंगे तो हम एक बेहतर इन्दौर की कल्पना कर सकेंगे जिसमें हर बालक के अधिकारों का संरक्षण होगा और प्रत्येक बालक का सर्वांगीण विकास होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रम विभाग, तकनीकी एवं कौशल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं विकलांगता कल्याण विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, शहरी एवं आवासीय विकास विभाग, जनजातीय कल्याण विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कमजोर एवं जोखिम वाले बच्चों की सहायता विषय के अन्तर्गत समन्वित हस्तक्षेप के

प्रति अंतर-क्षेत्रीय दृष्टिकोण के महत्व को समझना तथा विभागीय योजनाओं की समझ एवं उपलब्ध सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। श्री अमरजीत कुमार सिंह टेक्निकल कंसल्टेंट यूनिसेफ, श्री गुरुमुख सिंह लांबा सीनियर टेक्निकल कंसल्टेंट जुवेनाइल जस्टिस कमेटी म0प्र0 उच्च न्यायालय जबलपुर, अर्धा तिवारी ट्रेनर एवं फेशिलिटेटर, डॉ. मो. शमीम भूतपूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री समरेश सिंह सचिव जुवेनाइल जस्टिस कमेटी म0प्र0 उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा तकनीकी सत्र का संचालन किया गया । दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन सत्र को प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी द्वारा संबोधित किया गया एवं धन्यवाद प्रस्ताव श्री नवीन पाराशर ओ.एस.डी/ रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर द्वारा किया गया । उक्त कार्यक्रम में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार श्री अजय प्रकाश मिश्र, ओ.एस.डी/ रजिस्ट्रार श्री नवीन पाराशर, श्री समरेश सिंह सचिव जुवेनाईल जस्टिस कमेटी म.प्र.उच्च न्यायालय जबलपुर, श्री अमरजीत कुमार सिंह टेक्निकल कंसल्टेंट यूनिसेफ, श्री गुरुमुख सिंह लांबा सीनियर टेक्निकल कंसल्टेंट जुवेनाईल जस्टिस कमेटी म0प्र0 उच्च न्यायालय जबलपुर, अर्धा तिवारी ट्रेनर एवं फैशिलिटेटर, अदिति मेहता प्रशिक्षक एवं मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ, डॉ. मो. शमीम भूतपूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गिरिबाला सिंह भूतपूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश, विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, श्रम विभाग, जनजातीय विभाग, तकनीकी एवं कौशल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं विकलांगता कल्याण विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, शहरी एवं आवासीय विकास विभाग आदि के प्रमुख, मप्र उच्च न्यायालय के कर्मचारी, विधिक सेवा समिति के कर्मचारियों के साथ 22 समुदाय के प्रबुद्धजन सम्मिलित हुए।

'सबके राम' आयोजन के लिए हुआ भूमिपूजन

अयोध्या की पवित्र मिट्टी एवं सरयू नदी के पावन जल से

इंदौर। दशहरा मैदान पर गुड़ी पड़वा से राम नवमीं 9 से 17 अप्रैल तक आयोजित श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ एवं मेला के लिए के भूमि पूजन रविवार सुबह दत्त माउली संस्थान के सदगुरू अण्णा महाराज, अन्नपूर्णा आश्रम के स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि, रणजीत हनुमान मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास के सानिध्य एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविंद मालू के आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अयोध्या से लाई गई पवित्र मिट्टी एवं सरयू नदी के पावन जल से यज्ञ भूमि के अभिसिंचन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम स्थल का नामकरण च्अवध लोकज् किया गया है।

कार्यक्रम संयोजक एवं सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि महायज्ञ में प्रतिदिन सैकड़ों यजमान युगल सहभागी बनेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस अवसर पर आचार्य पं. किशोर जोशी ने श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ की महत्ता बताई। कार्यक्रम में हेमंत मालवीय, किरण जोशी, वीरेन्द्र गोयल सहित अनेक पार्षद एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महेन्द्रसिंहचौहान एवं प्रवीणा अग्निहोत्री ने इस मौके पर बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ प्रतिदिन सुबह 7 से 10 बजे तक, निशुल्क योग सुबह 6.15 से 7.15 बजे तक, खून की निशुल्क जांच 7.15 से 9 बजे तक, एक्यूप्रेशर-एक्यूपंक्चर द्वारा दर्द निवारण सेवा दोपहर 1 से 4 बजे तक और दशहरा मैदान आने वाले जरूरतमंद लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच भी दोपहर 1 से 4 बजे तक की जाएगी। प्रतिदिन संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इनमें संगीत गुरूकुल गौतम काले की प्रस्तुति, प्रख्यात शर्मा बंधुओं की भजन संध्या, अग्निसूत नृत्य नाटिका, संस्कार भारती, रक्त बीज संहार नृत्य नाटिका, कवि सम्मेलन, श्रीराम भजन, श्रीराम अर्चन एवं दमयंती मिरदवाल द्वारा रामायण प्रस्तुति जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम शामिल हैं। पूरे नौ दिनों तक पीड़ित मानवता की सेवा का महायज्ञ भी श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ के साथ चलेगा।

सुफलाम सेवा न्यास ने एम वाय अस्पताल को 10 एसी व 10 एयर कटर प्रदान किए

इंदौर। सुफलाम सेवा न्यास ने आज टास्कअस इंडिया प्रा. लिमिटेड के आर्थिक सौजन्य से एम वाय अस्पताल स्थित ओपीडी विभाग के रेडियोलॉजी में 10 नग एसी एवं ऑपरेशन थिएटर हेतु 10 नग एयर कटर सेवार्थ प्रदाय किए गए। यहां पूर्व के लगे सभी एसी यूनिट्स अत्यंत पुराने होकर अयोग्य हो चुके थे, डीन डॉ. दीक्षित एवं अधीक्षक डॉ. ठाकुर ने न्यास को इसकी अत्यंत आवश्यकता के लिए अवगत कराया, जो आज टास्कअस कंपनी के सहयोग से पूर्ण हो पाई। आज के समर्पण कार्यक्रम में न्यास के संरक्षक पवनजी श्रीमाल, शैलेन्द्रजी बंसल, श्री सुशीलजी श्रीवास्तव एवं कंपनी से स्वप्निलजी बंसल आदि उपस्थित रहे। डीन एवं अधीक्षक महोदय ने इस सहयोग के लिए न्यास सहित टास्कअस कंपनी को अपना साधुवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर रेडियो डायग्नोस्टिक विभाग की एच ओ डी डाक्टर अलका अग्रवाल डॉ पी एस त्रिपाठी विभाग के सभी डॉक्टर आनंद बाबू अवधेश शुक्ला एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने भोपाल पुलिस की तैयारियां जारी

आमजन में सुरक्षा का भाव पैदा करने 500 जवानों, 70 वाहनों के साथ सड़को पर निकाला फ्लैग मार्च, पुलिस कमिशनर भी रहे शामिल

भोपाल। आगामी लोकसभा चुनाव निष्पक्ष, निर्भीक एवं शांतिपूर्ण रुप से संपन्न कराने के लिये भोपाल पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रही है। इसी कड़ी मे रविवार सुबह पुराने और नये शहर के सेंट्रल लायब्रेरी से पॉच सौ जवानो का पैदल फ्लैग मार्च एवं लाल परेड मैदान से वाहनों का फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में 500 जवानो सहित 70 चार पहिया वाहन शामिल रहे। लगभग 40 किलोमीटर के दायरे में संवेदनशील इलाक़ों में यह फ्लैग मार्च निकाला गया।

पैदल फ्लैग मार्च

पैदल फ्लैग मार्च पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव तथा अन्य अधिकारियों एवं जवानों के साथ सुबह साढ़े ग्यारह बजे पुराने शहर के सेंट्रल लायब्रेरी ग्राउंड से आरंभ किया जाकर इतवारा, बुधवारा चौराहा, थाना तलैया चौराहा होते हुए लिली टॉकीज, जिंसी तिराहे होते हुए शब्बन चौराहा से होते हुए लाल परेड पर समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च एक घण्टे में लगभग 5 किलोमीटर दायरे के संवेदनशील इलाक़ों में निकाला गया, जिसमें जिला पुलिस बल, क्यूआरएफ, एसएएफ समेत लगभग 500 अधिकारी, कर्मचारी सम्मिलित रहे।

वाहनों से फ्लैग मार्च

वाहनों से फ्लैग मार्च पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र के नेतृत्व में समस्त अधिकारियों एवं फोर्स के साथ लाल परेड मैदान से लगभग साढ़े बारह बजे प्रारम्भ हुआ, जो कि मालवीय नगर, रोशनपुरा होते हुए लिंक रोड 1, अर्जुन नगर तिराहे, 5 नंबर स्टॉफ, 6 नंबर, सुभाष स्कूल होते हुए मानसरोवर तिराहा, प्रगति, बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज होते हुए, रचना नगर गौतम नगर, सुभाष नगर होते हुए प्रभात चौराहा से वापस ओवर ब्रिज होते हुए मैदा मिल, डीबी माल के सामने से होते हुए पुरानी जेल होते हुए वापस लाल परेड ग्राउंड पर समाप्त हुआ, जो लगभग 35 किलोमीटर दायरे में रहा।

यह वाहन रहे शामिल

फ्लैग मार्च में रुद्र, वज्र, थाना मोबाइल, जिप्सी, बस समेत लगभग 70 वाहन शामिल रहे, जिसमें जिला पुलिस बल, क्यूआरएफ, एसएएफ के जवान समेत लगभग 500 अधिकारी/ कर्मचारी सम्मिलित रहे। पुलिस मिशनर हरिनारायणाचारी मिश्र ने कहा कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आमजन को निर्भीक एवं निष्पक्ष होकर मतदान करने हेतु प्रेरित करना तथा शहर में सुरक्षा का माहौल बनाए रखना एवं गुंडों, बदमाशों तथा असामाजिक तत्वों में भय का माहौल उत्पन्न करना था, ताकि आमजन सुरक्षित महसूस करते हुए जिम्मेदार एवं जागरूक होकर निर्भीक व निष्पक्ष मतदान कर सके।

पटवारी ने बीजेपी जॉइन करने वाले कांग्रेसियों पर बोला हमला

बीजेपी में गए नेता तीसरी पंक्ति में बैठकर फोटो खिंचवा रहे हैं

भोपाल।कांग्रेस छोडक़र कई नेता पहले भी भाजपा में गए हैं पर उनकी क्या स्थिति है, यह भी सबको देख लेना चाहिए। जिस मंशा के साथ लोग जा रहे हैं, भगवान उनकी मनोकामना पूरी करे। हम नई और युवा पार्टी बनाएंगे। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को मीडिया से चर्चा में कही। साथ ही भाजपा की डबल इंजन सरकार पर वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया। पटवारी ने हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी का नाम लिए बिना जीतू पटवारी ने कहा- अभी हमारे एक वरिष्ठ नेता गए हैं। वे तीसरी रो में बैठकर फोटो खिंचवा रहे हैं। पटवारी ने कहा- जो लोग छोडक़र गए उनका कितना सम्मान बचा सब देख रहे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर एमपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा- चुनावी बॉन्ड के पैसे से भाजपा ने सरकार, विधायक सांसद खरीदे। इलेक्टोरल बॉन्ड करप्शन सामने आने के बाद साफ हो गया मोदी सरकार से करप्ट कोई नहीं हैं। चुनावी बॉन्ड जबरन वसूली का उदाहरण बना है। सुप्रीम कोर्ट की लताड़ के बाद डाटा सामने आया है।

पटवारी ने कहा कि बार-बार यह बात उठाई जा रही है कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस छोडक़र भाजपा में जा रहे हैं लेकिन

उनकी स्थिति क्या है, इस पर सब चुप हैं। हमने पहले भी भाजपा में जा चुके नेताओं की सूची जारी की थी, जिसमें बताया था कि कौन कहां है। कुछ तो वे लोग भाजपा में शामिल हुए हैं, जिन्हें हमने निष्कासित कर दिया था। आने वाले समय में फिर सूची जारी करेंगे। जीतू ने कहा कि हम लगातार चार चुनाव हारे हैं तो निश्चित ही कोई न कोई कमी रही होगी, पर युवा और नई पार्टी तैयार करके 2028 में सरकार बनाएंगे। लोकसभा चुनाव के लिए 10 प्रत्याशी घोषित हो गए हैं और बाकी सीटों के प्रत्याशी भी एक-दो दिन में घोषित हो जाएंगे। पार्टी पूरी दृढ़ता के साथ चुनाव में उतर रही है और पूरा विश्वास है कि परिणाम सबको चौकाएंगे। भाजपा की डबल इंजन सरकार पर उन्होंने वादाखिलाफी करने का आरोप लगाने के साथ इलेक्टोरल बांड को देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने कहा कि 2014 से लेकर 2023 तक दी गई मोदी गारंटियां एक भी पूरी नहीं हुई हैं। भाजपा ने जनता को वादों के नाम पर सिर्फ़ गुमराह किया है। लेकिन जनता अब इस भ्रमित करने वाली राजनीति पर भरोसा नहीं करेगी।

दो दिन में घोषित हो जाएंगे कांग्रेस के उम्मीदवार-जीतू पटवारी ने कहा- एमपी की बाकी सीटों पर प्रत्याशी 18-19 अप्रैल को घोषित हो जाएंगे। राहुल गांधी आज मुंबई में बड़े ऐलान करेंगे। वे कांग्रेस आगामी 5 साल का विजन रखेंगे।

मोदी गारंटी पर बोला हमला-जीतू पटवारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने वादा खिलाफी की है। आम जनता निराश और परेशान है। 2014 से 23 तक एक भी गारंटी भाजपा ने पूरी नहीं की। लोकतंत्र के उत्सव में जनता यह याद रखे... कि मोदी ने जो इंडिया बनाने की बात कही थी उसके विपरीत भ्रष्टाचार की स्थिति बना दी। पीएम केयर फंड में कितना भ्रष्टाचार और वसूली हुई यह भी सामने आएगा। कांग्रेस ने सूचना, शिक्षा जैसे कई अधिकार दिए। सरकार बनते ही हर ग्रेजुएट को साल में 1 लाख की सहायता देंगे। महिलाओं को सामाजिक न्याय देंगे।

राजधानी में तेजी से गिर रहा भूजल स्तर

भोपाल। राजधानी भोपाल में पिछले कुछ वर्षों में भूजल स्तर तेज से गिरा है। इसकी वजह है भूजल का अंधाधुंध दोहन। शहर में जिस तरह से नलकूपों के जरिए भूजल का दोहन हो रहा है, उससे इस बात की आशंका बनी है कि आने वाले समय में यहां के हालात बेंगलुरु से भी बदतर हो जाएंगे। अब भी हम नहीं जागे तो आने वाले समय में हमें भोपाल में भीषण जलसंकट झेलना पड़ेगा। समस्या यह है अब भी इस मामले में भोपाल कुंभकर्णी नींद सो रहा है। नर्मदा जल पर आश्रित इस शहर को जलापूर्ति के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता तो है, लेकिन इसे लेकर सरकार और हमारी गंभीरता सवालों के घेरे में है। यह इसी से समझा जा सकता है कि शहर में नलकूपों में वर्षा जल पुनर्भरण की व्यवस्था नहीं है। इसके लिए योजनाएं तो खूब बनीं, लेकिन इन्हें मूर्त रूप देने को लेकर कोई सरकार कभी गंभीर नहीं रही।

दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल आने वाले जलसंकट को लेकर काम करने का वादा तो हर बार करते हैं, लेकिन सत्तासीन होते ही उनके लिए यह गंभीर समस्या गौण हो जाती है।

हरियाली पर भारी पड़ रहे सीमेंट के जंग

शहर में कॉक्रीट के निर्माण तो तेजी से हो रहे हैं, लेकिन उस अनुपात में हरियाली का ध्यान नहीं रखा गया। शहर के सीमेंटीकरण और कम होती हरियाली की वजह से शहर का तापमान लगातार बढ़ रहा है। चिंता की बात यह है कि दोनों ही राजनीतिक दल शहर में हरियाली बढ़ाने के मुद्दे पर मौन हैं।

न निगम गंभीर, न प्रशासन

चिंता इस बात की भी है कि लगातार बिगड़ती स्थिति के बावजूद इतने गंभीर मुद्दे पर कोई राजनीतिक दल कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। लगातार बढ़ते भूजल दोहन को रोकने के लिए क्या करेंगे, यह पूछने पर एक ही जवाब आता है कि योजना बनाएंगे। राजनीतिक दल वर्षों से यूं ही खानापूर्ति करने वाले बयान जारी कर रहे हैं और इंदौर की जनता ठगी जा रही है। भूजल को थामने के लिए न तो राज्य शासन ने कोई ठोस कार्रवाई की, न भोपाल नगर निगम ने। कागज पर भले ही नलकूप के साथ-साथ ही वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था करना अनिवार्य हो लेकिन वास्तविकता यह है कि इस नियम का पालन होता नहीं है।

मप्र में मिशन 29 का घमासान

भाजपा घर-घर पहुंचने लगी तो कांग्रेस भगदड़ में उलझी

भोपाल। *लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए चार चरणों में चुनाव होंगे। चुनाव आयोग, प्रशासन के साथ पार्टियों ने भी तैयारियां तेज कर दी है। चुनावी तैयारी में भाजपा सभी पार्टियों से काफी आगे है। कांग्रेस की बात करें तो वह पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भगदड़ में उलझी हुई है। जहां भाजपा ने प्रदेश की सभी सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, वहीं कांग्रेस को अभी 18 सीटों पर प्रत्याशियों का चयन करना बाकी है।*

गौरतलब है कि मप्र में भाजपा प्रदेश की सभी 29 सीटों को जीतने का दावा कर रही है। पार्टी प्रत्याशियों की घोषणाकर मैदानी मोर्चा संभाल चुकी है। वहीं कांग्रेस पार्टी में मची भगदड़ रोकने और अपने प्रत्याशियों को तलाशने ही व्यस्त दिख रही है। वहीं समाजवादी पार्टी को कांग्रेस ने एक सीट दी है, जहां सपा की कोई तैयारी फिलहाल नजर नहीं आ रही। लोकसभा चुनाव में भाजपा पिछले एक दशक से कांग्रेस से काफी आगे रही है।

2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 29 में से 27 सीटों पर विजय हासिल की थी। कांग्रेस केवल छिंदवाड़ा और झाबुआ सीट ही बचा पाई थी। वहीं 2019 में हुए चुनावों में भाजपा ने 28 सीटें जीती थी और कांग्रेस को महज एक सीट पर समेट दिया था। इस चुनाव में मोदी लहर के चलते कांग्रेस के उस समय दिग्गज नेता माने जाने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अपनी परम्परागत सीट गुना से एक लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। केवल छिंदवाड़ा सीट पर ही कांग्रेस को विजय मिल पाई थी पर यहां भी जीत का अंतर घटकर महज 37 हजार का हो गया था। इस बार भाजपा मिशन 29 के लक्ष्य को लेकर चल रही है। यही वजह है कि उसने समय से पूर्व ही अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं।

जीत के अपने-अपने दावे

उधर, चुनावी घोषणा के साथ ही पार्टियों के नेता अपनी-अपनी जीत के दावे करने लगे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कहना है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी पर्व का कार्यक्रम घोषित हो गया है। मध्यप्रदेश में चार चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई और 13 मई को चुनाव होंगे। हमारे कार्यकर्ता प्रदेश के 64523 बूथों पर चुनाव के लिए तैयार हैं। मध्यप्रदेश में ज्यादा से ज्यादा मतदान भी होगा और जनता के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी सभी 29 सीटें जीतकर नया इतिहास रचेगी। देश और प्रदेश की जनता एवं पार्टी कार्यकर्ता 4 जून को 400 पार फिर एक बार मोदी सरकार को चरितार्थ करेंगे। वहीं कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए लिखा लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व अर्थात लोकसभा चुनाव का बिगुल आधिकारिक रूप से बज चुका है। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है और इसी दिन छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में भी मतदान होना है। मैं पूरे प्रदेश और छिंदवाड़ा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि अब समय बहुत कम बचा है, इसलिए पूरी मेहनत और ईमानदारी से चुनाव कार्य में लग जाएं। कांग्रेस पार्टी ने देश, प्रदेश और छिंदवाडा के लिए जो-जो काम किए हैं, उनको जनता के सामने लेकर जाए और कांग्रेस पार्टी के वादों को स्पष्ट शब्दों में पूरे उत्साह पूरे उत्साह के साथ जनता के सामने रखें। आप सबकी संगठित और सामूहिक शक्ति से कांग्रेस पार्टी आम चुनावों में शानदार प्रदर्शन करेगी और विजश्री प्राप्त करेगी।

भाजपा का 50:50 फॉर्मूला

मिशन 29 के तहत भाजपा ने प्रत्याशी चयन में 50:50 फॉर्मूला अपनाया है। यानी आधी सीटों पर नए और आधी पर पुराने चेहरों पर दांव लगाया है। दरअसल, भाजपा इस बार काफी सधे हुए कदमों के साथ आगे बढ़ रही है। विधानसभा चुनाव में उसने जिस तरह चौंकाने वाले फैसले लिए थे उसके उलट लोकसभा चुनाव में कोई चौंकाने वाला बड़ा नाम नहीं दिया है। 29 सीटों पर जिन नेताओं को उतारा है वे पार्टी का जाना पहचाना चेहरा हैं। उसने 14 सीटों पर नए चेहरे उतारे हैं। इनमें भी पांच सीटें वे है जहां के सांसद विधानसभा चुनाव जीत कर पहले ही सांसदी से इस्तीफा दे चुके हैं। वहीं 15 सांसदों पर फिर से भरोसा जताया है। इसमें दो सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और गणेश सिंह ऐसे नाम है जो विधानसभा चुनाव हार गए थे पर उन्हें लोकसभा चुनाव में फिर मौका दिया गया है। कांग्रेस ने छिदवाड़ा, सतना, सीधी, धार, खरगौन, मंडला, टीकमगढ़, देवास, भिंड और बैतूल सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। इनमें पहले चरण में सीधी, शहडोल, जबलपुर मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा में 19 अप्रेल को मतदान होना है। इन छह सीटों पर चार दिन बाद नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इनमें जबलपुर, शहडोल और बालाघाट में कांग्रेस अभी प्रत्याशियों का ऐलान नहीं कर पाई है। फिलहाल पतझड़ से परेशान है कांग्रेस- विधानसभा चुनाव में मिली अप्रत्याशित हार से कांग्रेस के बाद कांग्रेस में मानो पतझड़ का मौसम शुरू हो गया है। कांग्रेस के सुरेश पचौरी, अंतर सिंह आर्य, संजय शुक्ला, विशाल पटेल, अरुणोदय चौबे समेत कई बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। भाजपा का दावा है कि वह तीन महीनों में कांग्रेस के छह हजार नेता-कायकर्ताओं को भाजपा में शामिल करा चुकी है। इनमें कई नेता ऐसे भी थे जिन पर पार्टी लोकसभा चुनाव में दांव लगाने की सोच रही थी पर इन नेताओं के पार्टी छोडने के बाद उसे प्रत्याशी चयन पर नए सिरे से विचार करना पड़ रहा है।

एसबीआई ने 'ग्रीन मैरथॉन' मैराथन आयोजन किया पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य पर जोर दिया

भोपाल।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के द्वारा रविवार को शहर के टी टी नगर स्टेडियम में ग्रीन मैरथॉन थीम पर मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 2000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। एसबीआई द्वारा आयोजित ग्रीन मैरथॉन का उद्देश्य ग्राहकों एवं बैंक कर्मियों के बीच पर्यावरण एव्म स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना उन्हे पर्वयारण के प्रति जागरुकाता एव्म स्वस्थ रखने के साथ-साथ ग्राहक फाइनेंशियल तौर पर मजबूत कैसे हो सकते हैं, इस बारे में जागरुक करना था। कोई भी व्यक्ति अपना स्वास्थ्य तभी बेहतर रख सकता है, जब वो फाइनेंशियल तौर पर सक्षम हो। एसबीआई समय-समय पर नई स्कीम लाकर और लगातार चलने वाली स्कीम के जरिए अपने ग्राहकों को फाइनेंशियल तौर पर कमजोर नहीं होने देता।

श्री चंद्र शेखर शर्मा मुख्य महाप्रबन्धक भोपाल मण्डल ने कहा की मैराथन के माध्यम से एसबीआई का उद्देश्य, पर्यावरण संरक्षण स्वस्थ जीवनशैली, और फिटनेस के लाभों को प्रोत्साहित करना है, साथ ही अपने विपणन प्रयासों को बढ़ावा देना है। ये एसबीआई के लिए एक मंच के रूप में भी काम करता है। बैंक का उद्देश्य एक स्वस्थ जीवन शैली के लाभों और फिटनेस के महत्व के बारे में संदेश देना है। 'ग्रीन मैरथॉन', इस बात को दर्शाती है कि किस तरह एसबीआई पर्यावरण एव्म अपने ग्राहकों के प्रति संवेदनशील है, वो ना केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि उनके फाइनेंशियल जरूरतों के अलावा उन्हें सामाजिक और व्यक्तिगत तौर पर मजबूती प्रदान कर रहा है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। श्री शर्मा ने कहा कि एसबीआई का प्रतिबद्धता न केवल वित्तीय समृद्धि में है, बल्कि एसबीआई पर्यावरणीय संतुलन का महत्व समझता है जो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के कल्याण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि एसबीआई की पहल, जैसे हरित मैराथन, बैंक की पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ाने और पर्यावरणीय संरचना की एक संस्कृति को संवारने के लिए प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने सार्थक कृतिक्रिया की आवश्यकता को जोर दिया जो सभी के लाभ के लिए हमारी प्रकृति की संरक्षण और उसके संसाधनों को संरक्षित करने की दिशा में समृद्धि के लिए आवश्यक है।

ग्रीन मैरथॉन इसी उद्देश्य को पूरा करती है। मैराथन में शहर की शाखाओं के 2000 से अधिक कर्मचारियों और हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल ग्राहकों ने भाग लिया। मैराथन में 5, 10 और 21 कि.मी. की तीन श्रेणिया थीं। जहां पूरे जोश और उत्साह के साथ लोगों की मौजूदगी देखी जा सकती थी। इस कार्यक्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, भोपाल के प्रतिष्ठित बैंक, सरकारी अधिकारी, सेना, सीआईएसएफ के अधिकारी और जवानो और भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों ने एसबीआई द्वारा आयोजित इस मैराथन की सफलता में सक्रिय योगदान किया।

इस कार्यक्रम में एसबीआई भोपाल मण्डल के मुख्य महाप्रबंधक चंद्र शेखर शर्मा के साथ अन्य कई क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, उन्होंने प्रतिभागियों की उनके प्रयासों के लिए प्रशंसा की और उन्हें आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे।

कार्यक्रम में भोपाल मंडल के एसबीआई महिला क्लब की अध्यक्षया श्रीमती गीतू शेखर शर्मा, महाप्रबंधक श्री कुन्दन ज्योति, श्री अजितावा पाराशर और श्री नीरज प्रसाद शामिल थे। तो वहीं, श्री दीपक कुमार झा, भोपाल सर्कल के उप महाप्रबंधक और मण्डल विकास अधिकारी, श्री लोकेश चंद्र डीजीएम (बी एंड ओ) भोपाल मॉड्यूल के साथ अन्य सभी उपमहाप्रबंधक भी मौजूद थे। इस अवसर पर शीर्ष प्रबंधन के सभी वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। भारतीय स्टेट बैंक ने पूरे देश में ग्रीन मैरथॉन का आयोजन किया गया था, जिसमें जनता की भारी भागीदारी थी।

चौक-चौराहों से हटाए गए राजनीतिक फ्लैक्स, बैनर, झंडे, पोस्टर, बोड

भोपाल। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही नगर निगम द्वारा संपत्ति विरूपण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दरअसल कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी किया है कि कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के किसी भी संपत्ति पर स्याही, खड़िया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लेखन एवं चिह्नित विरूपित नहीं करेगा। यदि ऐसा करता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक एवं एक हजार से अधिक के जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी। इसी आदेश का पालन करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निगम अमले ने फ्लैक्स, बैनर, झंडे, पोस्टर, बोर्ड आदि हटाने की कार्रवाई की है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार आचार संहिता के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए 21 जोन के सभी 85 वार्ड क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, शासकीय भवनों आदि पर लगाई गई विभिन्न प्रकार की सामग्री को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण के निर्देशन में की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक निगम के संपत्ति विरूपण दलों ने निगम सीमा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए फ्लैक्स, बैनर, झंडे, पोस्टर, पंपलेट तथा अन्य प्रकार की सामग्री हटाने की कार्रवाई की है। नगर निगम द्वारा यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। वहीं चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनीतिक दल, चुनाव लडने वाले अभ्यर्थी या विज्ञापन कंपनियों द्वारा किसी भी शासकीय, अशासकीय संपत्ति को संबंधित विभाग या भवन स्वामी की बिना अनुमति के विरूपित किया जाता है तो इसकी शिकायत थाने में की जा सकती है।

इसके अलावा शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र में कार्रवाई करने के लिए पांच दलों का गठन भी किया गया है।

अब हुमा कुरैशी की जिंदगी में

हुई नए प्यार की एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने साउथ और बॉलीवुड में काम कर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। ऐसे में अब एक्ट्रेस ओटीटी पर भी जलवा बिखेरने में कमी नहीं छोड़ रही हैं। ऐसे में अब एक्ट्रेस अपनी वेब सीरीज महारानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। इसी बीच हुमा की पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है। कि एक्ट्रेस की जिंदगी में नए प्यार की एंट्री हो चुकी है और वो इसे सबसे छुपाकर रखना चाहती हैं। तो आइये जानते हैं आखिर वो हैंडसम हंक कौन है, जिसके साथ 37 साल की हुमा का नाम जुड़ रहा है। जानीमानी मीडिया रिपोर्ट की माने तो हुमा कुरैशी यंग और हैंडसम एक्टिंग कोच रचित सिंह को डेट कर रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों को रिलेशनशिप में एक साल से ज्यादा का वक्त भी हो चुका है और एक्ट्रेस इसे सीक्रेट रखना चाहती हैं। हालांकि, रिलेशिनशिप की खबरों पर अभी तक ना तो हुमा ने और ना ही रचित ने रिएक्शन दिया है। इस पर दोनों की ओर से ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। ऐसे में फैंस को इस पर कंफर्मेशन का बेसब्री से इंतजार है।

पहले भी झेल चुकी हैं ब्रेकअप का दर्द

आपको बता दें कि हुमा कुरैशी कोई पहली बार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में नहीं हैं बल्कि इससे पहले एक्ट्रेस एक बार प्यार में धोखा खा चुकी हैं और ब्रेकअप का दर्द भी झेल चुकी हैं। खबरें थीं कि एक्ट्रेस फिल्ममेकर मुदस्सर अजीज संग रिश्ते में थीं। उन्होंने उनके साथ फिल्म डबल एक्सल में काम किया था। कहा जाता है कि वो उनके साथ 3 सालों तक रिश्ते में थीं, जिसके बाद उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिए। हालांकि, अब तक ये सामने नहीं आ पाया कि इनका ब्रेकअप क्यों हुआ? इतना ही नहीं दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर भी रिएक्शन नहीं दिया है।

फिल्म कन्नप्पा का

फर्स्ट लुक हुआ जारी

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में विष्णु मांचू को दिखाया गया है, जो भक्त कन्नप्पा के किरदार को बेजोड़ करिश्मा और गहराई के साथ निभा रहे हैं। इस शानदार विजुअल में, विष्णु मांचू एक धनुष और तीर के साथ खड़े है, जो एक झरने से शानदार ढंग से निकल रहा है और अपने लक्ष्य पर अपनी ताकत दिखाने के लिए तैयार है। ये नजारा एक्शन से भरपूर सीक्वेंस के सार को दर्शाता है और गहन भक्ति और दृढ़ संकल्प की ओर इशारा करता है जो भक्त कन्नप्पा के किरदार को परिभाषित करती है। इस फिल्म का असल मकसद भक्त कन्नप्पा की अमेजिंग कहानी को जीवंत करना है, जो भगवान शिव के डिवोटेड फॉलोअर थे। यह एक सच्ची भारतीय महागाथा है जिसमें एक नास्तिक और निडर योद्धा को दिखाया गया है जो भगवान शिव का परम भक्त बन गया। फिल्म कन्नप्पा का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह के साथ-साथ प्रसिद्ध हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर शेल्डन चाऊ, एक्शन निर्देशक के चा खम्फकडी और डांस मैस्ट्रो प्रभु देवा ने किया है।

रीम शेख ने क्यों कहा कि "मेरे दोस्त अब मुझसे डरते हैं"

सबकी चहेती अदाकारा रीम शेख अपनी वर्सेटिलिटी के लिए जानी जाती हैं। वह सोनी लिव के खास शो 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' में एक तेजतर्रार वकील अंकिता रस्तोगी की भूमिका से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। रीम अपने किरदार में अच्छी तरह से ढल चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अपने किरदार की एक अनोखी आदत से जुड़ा मनोरंजक वाकया बताया है। रीम ने हाल ही में बताया कि ऐसे लोगों से निपटने के लिये उनके किरदार का एक अनूठा तरीका है, जिन्हें वह पसंद नहीं करती है। इस आदत ने शुरूआत में उन्हें भी ठिठकाया था। रीम ने धीरे से हंसते हुए कहा, ''अंकिता का किरदार निभाने में मजा आ रहा है। वह स्मार्ट, मजबूत, आजाद और ऐसी लड़की है, जो जनरेशन जेड से मेल खाती है। लेकिन उसकी एक आदत ने मुझे चौंकाया है।''

थोड़ा और गहराई में जाते हुए, रीम ने अंकिता की एक शरारती आदत से पर्दा हटाया। अंकिता कॉफी के साथ टैम्परिंग करती है। ''मैं इतना ही कहूंगी कि अंकिता के पास अपनी बात रखने का एक रचनात्मक तरीका है। यह मजेदार है, लेकिन मैं खुद एक कॉफी लवर हूँ। इसलिये मुझे कहना होगा कि उस सीन को

फिल्माने के बाद इस विचार से मुझे थोड़ी शर्म आयी कि किसी ने मेरे प्यारे ब्रू के साथ टैम्परिंग की।'' अपने किरदार की इस बात का पता अपने दोस्तों को चलने पर रीम को जो पहला विचार आया, उस पर उन्होंने कहा, 'मैं गंभीरता से सोचने लगी थी, लेकिन फिर मुझे लगा कि इससे कहानी में एक मजेदार मोड़ आता है! और भी ज्यादा मजेदार यह बात है कि मेरे दोस्त और मैं किस तरह अंकिता की कॉफी टैम्परिंग को एक जोक समझने लगे हैं। जब भी वह मुझे तंग करते हैं, मैं चंचलता से उन्हें चेतावनी देती हूँ कि, याद रखो, मेरे पास तुम्हारे लिये अंकिता की वह आदत है! बहुत मजा आता है और हम सब हंस पड़ते हैं। यह एक-दूसरे से जुड़ने का एक अजीब तरीका बन गया है, और इससे बेहतर क्या होता हालांकि मैं सोचती हूँ मेरे दोस्त थोड़े डरे हुए हैं- उन्हें अंकिता की आदतें पता हैं और वह जानते हैं कि मैं चुनौती से पीछे नहीं हटती हूँ!''

अपने किरदार को लेकर रीम शेख की चंचलता 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' में हास्य की अतिरिक्त खुराक लेकर आई है। मनोरंजन चाहने वालों को यह ट्विस्ट देखने के लिये इस शो को जरूर देखना चाहिये।

इस मस्ती से मत चूकिये; 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' के नये एपिसोड्स देखने के लिये सोनी लिव पर बने रहिये!

भारत का सबसे खूबसूरत शहर कहलाता है अलाप्पुझा

केरल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक कुट्टनाड बैकवॉटर है। ये जगह पहाड़ और समुद्र से घिरा है। ये जगह केरल के चावल का कटोरा भी कहलाता है। यहां चावल की खेती की जाती है। ये जगह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए काफी प्रसिद्ध है। फुर्सत के कुछ पल बिताने के लिए केरल के खूबसूरत शहर अलाप्पुझा में आप जा सकते हैं। बैकवाटर्स के केंद्र में स्थित इस शहर के आर-पाल जलमार्गों के किनारे पेड़ ही पेड़ नजर आते हैं, जो प्राकृतिक खूबसूरती को दर्शाते हैं। इसके अलावा यहां पर आप कई हाउसबोट और स्वादिष्ट समुद्री व्यंजन का भी लुत्फ उठा सकते हैं। अपने पूर्व नाम अलेप्पी से प्रसिद्ध ये शहर केरक के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। ये शहर पूर्व का वेनिस भी कहलाता है। आइए आपको अलाप्पुझा में घूमने की कुछ खास जगहों के बारे में बताते हैं...

कुट्टनाड बैकवॉटर

केरल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक कुट्टनाड बैकवॉटर है। ये जगह पहाड़ और समुद्र से घिरा है। ये जगह केरल के चावल का कटोरा भी कहलाता है। यहां चावल की खेती की जाती है। ये जगह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए काफी प्रसिद्ध है। यहां की खेती को लेकर ऐसा कहा जाता है कि ये शायद दुनिया में एक ही ऐसी जगह है जहां समुद्र तल से सिर्फ 2 मीटर गहराई पर खेती होती है। यहां की खूबसूरती देखने के साथ आप नाव की सवारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

अलाप्पुझा बीच

केरल के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक अलाप्पुझा बीच है। चमकदार रेत और साफ पानी अलाप्पुझा बीच की खूबसूरती बढ़ाता है। यहां से आप सूर्यास्त और सूर्योदय का नजारा देख सकते हैं, जोकि बेहद खूबसूरत लगता है। अगर आपको प्रकृति की सुंदरता पसंद हैं तो ये जगह आपके लिए बेस्ट है। ये जगह पर्यटकों के बीच में बेहद लोकप्रिय है। यहां आप अपने फ्रेंड्स या फैमली के साथ जा सकते हैं।

कृष्णापुरम पैलेस

कृष्णापुरम पैलेस एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। ये महल बगीचे, तालाब और फव्वारों से घिरा है। ये एक संरक्षित स्मारक है जिसको अब एक संग्रहालय बना दिया गया है। यहां काफी सुंदर बगीचे हैं जहां कई अलग-अलग तरह की वनस्पतियां लगी हुई है। आप यहां यहां प्रदर्शित सिक्के, महापाषाण अवशेष, शिलालेख, लकड़ी की कलाकृतियां, पेंटिंग, पत्थर और पीतल की मूर्तियों समेत कई चीजें देख सकते हैं। यहां पर आपको दक्षिण भारत की कला-संस्कृति और जीवन को समझने का अवसर मिल सकेगा।

पाथिरामनल

अलाप्पुझा से करीब 13 किलो मीटर की दूरी पर स्थित पाथिरामनल छोटा-सा द्वीप है। ये सुंदर सा द्वीप केरल के बैकवाटर्स पर तैरता है। यहां आप दुर्लभ प्रवासी पक्षियों को देख सकते हैं। कहा जाता है कि यहां करीब 50 विदेशी प्रजातियां और 91 तरह के स्थानीय पक्षी मौजूद होते हैं। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के औषधीय पौधे भी पाए जाते हैं। यहां पहुंचने के लिए सिर्फ आप नाव का सहारा ले सकते हैं, क्योंकि ये जगह वेम्बनाड झील से घिरा है।

श्री कृष्ण मंदिर

केरल के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक अम्बालापुझा श्री कृष्ण मंदिर है। ये मंदिर अम्बलप्पुझा जिले में स्थित है, जोकि दक्षिण भारत का प्रमुख धार्मिक स्थल है। भगवान श्री कृष्ण को समर्पित ये मंदिर मीठे दूध से बने चावल के हलवे के लिए जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण 15-17 वीं ईसवी में हुआ था। ये मंदिर दक्षिण की द्वारिका के तौर प्रसिद्ध है।अलाप्पुझा ही नहीं केरल राज्य का भी नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस एक प्रमुख आकर्षण हैं। हर साल रेस का आयोजन प्रतिवर्ष अगस्त महीने के दूसरे शनिवार को ओणम पर्व के मौके पर होता है। इस दौरान 100 से 120 फीट लंबी डोंगी जैसी नाव का इस्तेमाल किया जाता है।

वीकेंड हॉलिडे के लिए एकदम परफेक्ट है रानीखेत

हिमालय की शांति के बीच, 1,869 मीटर की ऊंचाई पर एक छोटा रानीखेत स्थित है। रानीखेत भारत के उत्तराखण्ड राज्य का एक प्रमुख पहाड़ी पर्यटन स्थल है। इस छोटे से शहर की घाटियों में, दिन भर में सैकड़ों घंटियाँ और हिमालयी वन की मधुर ध्वनि सुन सकते हैं। देवदार और बलूत के वृक्षों से घिरे रानीखेत में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान हैं जो दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के हजारों पहाड़ी प्रेमियों को इस छावनी में आकर्षित करते हैं। तो चलिए आज हम आपको रानीखेत में घूमने के कुछ बेहतरीन स्थानों के बारे में बता रहे हैं।

चौबटिया गार्डन

600 एकड़ की रोलिंग भूमि में फैला, चौबटिया गार्डन रानीखेत के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है। प्लम, नाशपाती, सेब और खुबानी के रोपण के लिए जाना जाता है, यह विभिन्न रंगों के साथ चित्रित एक सुंदर बाग है। यह खूबसूरत दृश्यों का आनंद लेते हुए इत्मीनान से टहलने और परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ से नंदादेवी, त्रिशूल और नीलकंठ जैसी हिमालय की चोटियाँ भी साफल्सुथरी धूप में दिखाई दे सकती हैं। यह सबसे खूबसूरत रानीखेत पर्यटन स्थलों में से एक है।

रानी झील

रानी झील एक आर्टिफिशियल झील है जिसे भारतीय सेना के कैंटोनमेंट बोर्ड ने वर्षा जल संचयन के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन यह अब रानीखेत में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गया है। 2500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, रानी झेल पिकनिक, रोमांटिक सैर और नौका विहार के लिए एक सुंदर स्थान है। यह निश्चित रूप से रानीखेत में सबसे रोमांटिक पर्यटन स्थलों में से एक है।

कुमाऊँ रेजिमेंटल सेंटर संग्रहालय

इस संग्रहालय की स्थापना 1970 के दशक की शुरुआत में भारतीय सेना की कुमाऊं रेजीमेंट ने इस क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाने के लिए की थी। यह संग्रहालय भारतीय सेना में कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट के गौरवशाली योगदान और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली युद्ध कलाकृतियों का घर है। यह रानीखेत में सबसे अधिक देखी जाने वाली पर्यटक जगहों में से एक है। संग्रहालय में कारगिल युद्ध से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों और रानी लक्ष्मी बाई के कुछ चांदी के स्केप्टर्स भी रखे हैं।

मजखली

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध, मजखली शांति साधकों के लिए रानीखेत में सबसे अच्छी जगहों में से एक है। अल्मोड़ा रोड पर स्थित, रानीखेत से 12 किलोमीटर दूरल्ल मजखली एक विचित्र और मनोरम हैमलेट है, जो हिमालय की चोटियों, विशेष रूप से त्रिशूल को देखने के लिए लोकप्रिय है। यह जगह वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध किस्मों के लिए एक निवास स्थान है और एक विंटेज काली मंदिर के लिए भी लोकप्रिय है।

इंदौर व भोपाल पुलिस की संयुक्त कार्यवाही :

1.7 करोड़ रु. की धोखाधड़ी में फरार 2 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। *इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों व्दारा इंदौर कमिश्नरेट में फरार व इनामी आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में धोखाधडी, लूट, डकैती जैसे गंभीर अपराध में फरार आरोपी के संबंध में पतारसी एवं धरपकड़ हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए थाना अपराध शाखा इंदौर की टीमों को निर्देशित किया गया था।*

क्राइम ब्रांच इंदौर की टीम द्वारा लगातार अपराधों में शामिल फरार अपराधियों की तलाश की जा रही है।

इसी अनुक्रम में भोपाल पुलिस एवं क्राइम ब्रांच टीम को सूचना प्राप्त हुई कि भोपाल के एक फार्मा कंपनी के मालिक फरियादी को कम ब्याज दरों पर करोड़ों रुपए लोन दिलाने का झूठ बोलकर लेटर ऑफ क्रेडिट एवं अनसिक्योर्ड लोन आदि के नाम से 1 करोड़ 70 लाख की ठगी की गई जिसमें थाना अयोध्यानगर, जिला भोपाल के अपराध धारा-420, 406 भा.द.वि. में फरार आरोपी आलोक कुमार व अन्य साथी फरार है। मुखबिर की सूचना पर थाना अयोध्या नगर भोपाल पुलिस एवं क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त कार्यवाही में आरोपी आलोक कुमार पिता गोविंदराव खतारे, उम्र-49 वर्ष, निवासी- ट्युलिप, न्यू मनार रेसीडेंसी थाना-अयोध्या नगर भोपाल को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी से अन्य आरोपी के संबंध में पूछताछ की गई तो वह पुलिस को गुमराह करता रहा बाद में हिकमतअमली से पूछताछ करने पर उसने आरोपी गौरव धाकड़ का पता बताया बाद बताये गये स्थान की घेराबंदी कर पकड़ कर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम गौरव पिता प्रदीप धाकड़, उम्र-35 वर्ष, निवासी- ब्रजेश्वरी मेन सर्विस रोड, इन्दौर का होना बताया। दोनों आरोपीगणों को पकड़ा व गिरफ्तार कर पूछताछ सहित अग्रिम वैधानिक कार्यवाही थाना-अयोध्या नगर भोपाल पुलिस के द्वारा की जा रही है।

मौसम बदलने से मरीजों की संख्या बढ़ी, ओपीडी में रोज 300 बच्चे

सांस संक्रमण 100 से अधिक, बुखार वाले 348 मरीज रोज

इंदौर। मौसम परिवर्तन के कारण करीब एक सप्ताह से मौसमी बीमारियां अचानक से बढ़ गई है। अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में अब मरीज आने लगे हैं। हालात यह है कि शासकीय एमवाय अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 300 से अधिक बच्चों को इलाज के लिए लाया जा रहा है। इन बच्चों को बुखार, सर्दी, जुकाम, श्वसन संबंधित बीमारियां आदि है।

अचानक बढ़ रही अस्पतालों में मरीजों की संख्या से डॉक्टर भी हैरान है। इसके अलावा ओपीडी में श्वसन संक्रमण से जुड़े रोजाना 100 से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। वहीं जनरल मेडिसिन विभाग में करीब 350 मरीज रोजाना आ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी लोगों को संक्रमण से बचाव पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में ओपीडी में 20404 मरीज आ चुके हैं। इनमें से 2329 बच्चे और जनरल मेडिसिन विभाग में 2436 मरीज आ चुके हैं। एमडी मेडिसिन डा. वैभव यादव ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, जरूरी भी होतो मास्क का उपयोग जरूर करें। बाहर का खाने से भी बचना चाहिए, घर में पानी भी उबालकर ही पीएं।

इएमए ने आयोजित की संगोष्ठी-खांसी भले ही मामूली लक्षण प्रतीत होता है, लेकिन इसके अनगिनत रोगकारक कारणों को समझने का प्रयास किया जाए तो यह खांसी जैसी साधारण स्थिति भी न केवल डायग्नोसिस के लिए जटिल सिद्ध होती है। बल्कि उपचार में भी इसकी जटिलता आसमान छूती है। यह बात चेस्ट फिजिशियन डा. वल्लभ मूंदड़ा ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी में कहीं। डा. दिलीप बालानी ने खांसी के संक्रामक, वायरल, रासायनिक, मनोवैज्ञानिक व सामाजिक तत्वों पर प्रकाश भी डाला।

शहरी एवं ग्रामीण सम्पूर्ण क्षेत्रों को किया गया जल अभावग्रस्त

इंदौर। मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा संशोधन अधिनियम 2002 (अधिनियम) में निहित प्रावधानों के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इन्दौर जिले के शहरी एवं ग्रामीण सम्पूर्ण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। जिले में निरन्तर भू-जल की गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए अधिनियम की धारा 6(1) के अन्तर्गत सम्पूर्ण जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर 18 मार्च 2024 से 30 जून 2024 तक प्रतिबंध लगाया गया है।

संबंधित राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारियों को ऐसी बोरिंग मशीन जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर प्रवेश करेगी अथवा नलकूप खनन/बोरिंग का प्रयास करेगी उक्त मशीनों को जप्त कर संबंधित पुलिस थाना क्षेत्र में एफ.आई.आर दर्ज कराने का अधिकार होगा। समस्त अपर कलेक्टरों को उनके क्षेत्रान्तर्गत अपरिहार्य प्रकरणों के लिए व अन्य प्रयोजनों हेतु उचित जांच के पश्चात अनुज्ञा देने हेतु अधिकृत किया गया है। इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर अधिनियम की धारा-3 या धारा-4 के उपबंध का उल्लंघन करने पर 2 हजार रूपये के जुर्माने तथा दो वर्ष तक के कारावास या दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है। शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत किये जाने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कार्य योजनान्तर्गत नलकूप खनन का कार्य लोकसभा निर्वाचन 2024 की लागू आचार संहिता का पालन किये जाने की शर्त पर कार्य कराया जा सकेगा, इस हेतु उपरोक्तानुसार अनुज्ञा प्राप्त किया जाना आवश्यक नहीं होगा। नवीन खनित निजी नलकूप एवं अन्य विद्यमान निजी जल स्त्रोतों की आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था हेतु अधिनियम की धारा-4 के अन्तर्गत अधिग्रहण किया जा सकेगा।

फूठी कोठी का मालिकी हक सौंपा जाएगा पुरातत्व विभाग को

40 साल पहले बिक गई थी, अब राजपत्र में प्रकाशन होगा

इंदौर। फूठी कोठी पर अब पुरातत्व विभाग का मालिकी हक होगा। जल्दी ही इसका नोटिफिकेशन जारी होगा। 40 साल पहले होलकर परिवार के एक ट्रस्ट ने इसे बेच दिया था, तब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता की इस सौदे में बडी भूमिका सामने आई थी। लेकिन, प्रशासन तीन साल से फिर इस जमीन को पाने में जुटा हुआ था।

राजबाड़ा की कला विथिका का शुभारंभ करने आई पूर्व मंत्री व महू विधायक उषा ठाकुर ने अफसरों को बताया कि जल्दी ही फूठी कोठी का प्रदेश सरकार के राजपत्र में प्रकाशन हो जाएगा। यह पुरातत्व विभाग की संपत्ति होगी। वहां के लिए योजना बनाकर तैयार रखे। पुरातत्व विभाग के संयुक्त संचालक प्रकाश पराजपे का कहना है कि पहले फूठी कोठी को लेकर प्रारुप का प्रकाशन किया गया था। तब दावे-आपत्तियों को आंमत्रित किया गया था। उनके निराकरण के बाद गजट नोटिफिकेशन होगा। फूठी कोठी परिसर में फिहहाल पुखराज पैलेस मैरेज गार्डन संचालित हो रहा है। मैरेज गार्डन प्रबंधन का इस बारे में कहना है कि हमें फिलहाल इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।

अंग्रेजों ने रुकवा दिया था निर्माण - फूठी कोठी का निर्माण वर्ष 1886 में होलकर शासन काल में शुरू कराया गया था। महाराजा तुकोजीराव चाहते थे कि इस फूठी कोठी से अंग्रेजों की महू सैन्य छावनी पर नजर रखी जा सके। आवश्यकता होने पर यहां से हमला भी किया जा सके। इसे बनाने के लिए इंग्लैड से राज मिस्त्री आए थे। लेकिन, वे अपना काम पूरा नहीं कर सके। जब इसकी भनक अंग्रेजों को लगी तो उन्होंने निर्माण रुकवा दिया। दो मंजिला इमारत में खुली छत और अधूरी सीढ़िया इस फूठी कोठी की पहचान है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)